Q: प्राकृत भाषा की विकास की रूपरेखा: भाषाओं में प्राकृत का स्थान।

Ans:- प्राकृत भाषा एक मूल भाषा है। इस भाषा का विकास कैसे हुआ? इस संबंध में विस्तार से डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री कृत प्राकृत भाषा साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास में प्रकाश डाला गया है।

भाषाविदों के अनुसार- विश्व में अनुमानतः दो हजार सौ परिवार की भाषाएँ वर्तमान हैं, पर प्राकृत भाषा के स्थान निर्धारित करने के लिए संपूर्ण भाषाओं को निम्न बारह (12) भाषा परिवारों में विभाजित किया गया है:—

(1) भारोपीय परिवार (2) सिमेटिक परिवार
(3) हैमेटिक परिवार (4) चीनी परिवार
(5) यूराल अल्टाई परिवार (6) द्राविड परिवार
(7) मैलोपालीनेशियम परिवार (8) बंटू परिवार
(9) मध्य अफ्रीका परिवार (10) आस्ट्रेलिया प्रशान्तीय परिवार (11) अमेरिका परिवार (12) कोव परिवार

इन भाषा परिवार में प्राकृत का संबंध भारोपीय भाषा परिवार से है।

भारोपीय भाषा परिवार को आठ उपभाषा परिवारों में बाँटा गया है जो निम्नवत है:-

(1) आरमेनियम (2) बाल्टोस्लैवोनिक (3) अलबेनियम
(4) ग्रीक (5) भारत ईरानी या आर्य परिवार
(6) इटैलिक (7) केल्टिक (8) जर्मन या ट्यूटानिक

इन आठ उपभाषा परिवारों में प्राकृत भाषा का संबंध भारत ईरानी या आर्य उपभाषा परिवार से है।

Scanned with OKEN Scanner

भारत ईरानी या आर्य आर्यभाषा परिवार को निम्न तीन शाखाओं में विभक्त किया गया है।
(1) ईरानी शाखा परिवार (2) दरद शाखा परिवार
(3) भारतीय आर्य शाखा परिवार।

इनमें से प्राकृत भाषा का संबंध भारतीय आर्य शाखा परिवार से है।

भारतीय आर्यभाषा को निम्न तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है:-
(1) प्राचीन भारतीय आर्यभाषा - (1600 ई.पू. से 600 ई.पू.)
(2) मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा - (600 ई.पू. से 1000 ई. सन्)
(3) आधुनिक भारतीय आर्यभाषा - (1000 ई. सन् से वर्तमान समय तक)

इन आर्यभाषाओं में प्राकृत का संबंध मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा से है।
मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा को काल की दृष्टि से निम्न तीन भागों में बाँटा गया है -
(1) प्रथम प्राकृत काल - (600 ई.पू. से 200 ई. सन् तक)
(2) द्वितीय प्राकृत काल और - (200 ई. सन् से 600 ई. सन् तक)
(3) तृतीय प्राकृत काल - (600 ई. सन् से 1200 ई. सन् तक)

इस मध्यकालीन प्राकृत भाषा का संपूर्ण काल 600 ई. पू. से 1000 ई. सन् तक माना गया है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि प्राकृत भाषा का प्रमुख संबंध मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा से है। यह प्राकृत भाषा का संपूर्ण काल है।

Scanned with OKEN Scanner